हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

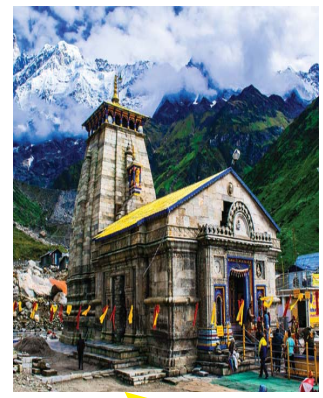

वर्ष:5 अंक:16 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

नितिन नबीन निर्विरोध चुने गए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन चुने गए हैं. बीजेपी के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी की तरफ से बयान जारी कहा गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ. कुल 37 सीटों में नामांकन पत्र प्राप्त हुए और सभी वैध पाए गए. पार्टी चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने बताया कि नितिन नबीन निर्विरोध चुने गए क्योंकि कोई और नामांकन हुआ ही नहीं. नितिन नबीन के नाम का आधिकारिक ऐलान मंगलवार (20 जनवरी 2026) को होगा.

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 36 प्रदेशों में से 30 प्रदेश अध्यक्षों के निर्वाचन समाप्त होने के बाद शुरू की गई, जो कि न्यूनतम आवश्यक 50 फीसदी से अधिक है. 16 जनवरी 2026 को निर्वाचन कार्यक्रम की अधिसूचना जारी की गई और निर्वाचन सूची का प्रकाशन किया गया. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार (19 जनवरी 2026) को दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न हुई. राष्ट्रीय अध्यक्ष पद हेतु नितिन नबीन के पक्ष में कुल 37 सेट नामांकन पत्र प्राप्त हुए.

जे. पी. नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी वरिष्ठ नेताओं धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और किरेन रिजिजू की मौजूदगी में निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण को नितिन नबीन के नामांकन पत्रों का एक सेट सौंपा. इसके बाद अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और राज्य के अन्य नेताओं ने भी नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक और सेट दाखिल किया.

नीतिन नबीन को पिछले महीने ही पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद थे. बिहार, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, झारखंड समेत कई राज्यों के नेताओं ने भी नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्र दाखिल किए.

बीजेपी में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की प्रक्रिया

बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्टी की राष्ट्रीय परिषद और राज्य परिषदों के प्रतिनिधियों से बने एक निर्वाचक मंडल द्वारा चुना जाता है. इस चुनाव प्रक्रिया की निगरानी पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी करते हैं. बीजेपी के संविधान के अनुसार, किसी राज्य के निर्वाचक मंडल के कोई भी 20 सदस्य संयुक्त रूप से ऐसे व्यक्ति का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित कर सकते हैं, जो चार कार्यकालों तक सक्रिय सदस्य रहा हो और जिसकी सदस्यता अवधि कम से कम 15 वर्ष हो. हालांकि, ऐसा संयुक्त प्रस्ताव कम से कम पांच ऐसे राज्यों से आना चाहिए, जहां राष्ट्रीय परिषद के लिए चुनाव पूरे हो चुके हों.

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात

पथ प्रवाह, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं प्रदेश से जुड़े विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान उत्तराखंड के विकास, संगठन की मजबूती तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें पार्टी की भावी रणनीति और जनसेवा के संकल्प को लेकर सकारात्मक संवाद देखने को मिला।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नामांकन प्रक्रिया में दिखी एकजुटता और अनुशासन की सशक्त तस्वीर

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में संगठन पर्व के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद हेतु चल रही नामांकन प्रक्रिया के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और एकजुटता की एक सशक्त और प्रेरक तस्वीर सामने आई। इस अवसर पर उत्तराखंड के वरिष्ठ नेतृत्व की प्रभावी सहभागिता ने पार्टी की मजबूत संगठनात्मक संरचना और सामूहिक नेतृत्व की भावना को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत और पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। सभी नेताओं की एक मंच पर उपस्थिति ने पार्टी के भीतर आपसी समन्वय और अनुशासन का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके साथ ही सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, सांसद अजय भट्ट, सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी सहित भाजपा के वरिष्ठ नेतागण और सम्मानित पदाधिकारीगण की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ाया। यह दृश्य लोकतांत्रिक पार्टी की उस 'सबसे खूबसूरत तस्वीर' के रूप में सामने आया, जिसमें एकजुटता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी।

भाजपा ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने के बावजूद अनुशासन ही उसकी कार्यसंस्कृति का आधार है। नेतृत्व से लेकर कार्यकर्ता तक, सभी एक लक्ष्य और एक विचारधारा के साथ संगठित होकर कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर ने यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि भाजपा की सफलता का मूल मंत्र उसकी एकजुटता, अनुशासन और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया है। राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड नेतृत्व की सक्रिय और सशक्त उपस्थिति ने पार्टी में राज्य की प्रभावी भूमिका को भी मजबूती से स्थापित किया।

चुनाव आयोग की मेजबानी में राजधानी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 21-23 तक, 70 से अधिक देश शामिल होंगे

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग के तत्वावधान में यहां बुधवार को शुरू हो रहे लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम- 2026) में 70 देशों के लगभग एक सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान आयोग की ओर से विश्व के सबसे बड़े चुनाव, लोकसभा 2024 चुनावों के आयोजन पर प्रकाश डालने वाली वृत्तचित्र श्रृंखला 'इंडिया डिसाइड्स' को भी आईआईसीडीईएम-2026 के पहले दिन प्रदर्शित किया जाएगा। ईसीआई के अध्ययन एवं प्रशिक्षण संस्थान - भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान द्वारा राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित यह सम्मेलन 21-23 जनवरी तक चलेगा जो लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में भारत द्वारा आयोजित अपनी तरह का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन बनने जा रहा है। चुनाव आयोग की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस सम्मेलन में विश्व भर के 70 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 100 प्रतिनिधियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि, भारत में विदेशी मिशनों के प्रतिनिधि और चुनावी क्षेत्र के अकादमिक और व्यावहारिक विशेषज्ञ भाग लेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने सहयोगी चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ 21 जनवरी को उद्घाटन सत्र में प्रतिनिधियों का स्वागत करेंगे और कार्रवाई को हरी झंडी दिखाएंगे। सम्मेलन के दौरान चुनाव प्रबंधन निकाय (ईएमबी) के सामान्य और पूर्ण सत्र शामिल हैं, जिनमें उद्घाटन सत्र, चुनाव प्रबंधन निकाय के नेताओं का पूर्ण सत्र, चुनाव प्रबंधन निकाय के कार्य समूह की बैठकें, वैश्विक चुनावी मुद्दों, आदर्श अंतरराष्ट्रीय चुनावी मानकों और चुनावी प्रक्रियाओं में नवाचारों और सर्वोत्तम प्रणालियों पर केंद्रित विषयगत सत्र शामिल हैं। इसमें भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के नेतृत्व में और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विशेषज्ञों के सहयोग से गठित कुल 36 विषयगत समूह सम्मेलन के दौरान गहन विचार-विमर्श में योगदान देंगे। इन चर्चाओं में चार आईआईटी, छह आईआईएम, 12 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) और आईआईएमसी सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी भी होगी।

भारत और यूएई ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी से संबंधित रूप रेखा को अंतिम रूप देने के आशय पत्र पर हस्ताक्षर किये

नयी दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी से संबंधित रूपरेखा को अंतिम रूप देने तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में संयुक्त पहल के बारे में आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किये हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने गुजरात के धोलेरा में एक विशेष निवेश क्षेत्र के विकास में यूएई की भागीदारी से संबंधित आशय पत्र पर हस्ताक्षर के साथ यू ए ई द्वारा 5 लाख टन तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के दीर्घावधि समझौते पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2032 तक दोगुना कर 200 अरब डालर पहुंचाने का भी लक्ष्य रखा है।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोमवार को यहां हुई वार्ता के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यहां संवादाता सम्मेलन में बताया कि इन समझौतों पर दोनों नेताओं की मौजूदगी में हस्ताक्षर किये गये। मिस्री ने कहा कि शेख नाहयान की तीन घंटे की यात्रा बेहद सार्थक रही और इसने दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों

में भविष्य की दिशा तय करने का मार्ग प्रशस्त किया। शेख नाहयान आज शाम ही भारत की आधिकारिक यात्रा पर आये थे। श्री मोदी ने स्वयं हवाई अड्डे जाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद वह शेख नाहयान को अपने साथ कार में अपने आवास लेकर आये। प्रधानमंत्री ने शेख नाहयान और उनके परिवार को पारंपरिक भारतीय उपहार भी भेंट किये। श्री मोदी के साथ वार्ता के बाद यूएई के राष्ट्रपति स्वदेश रवाना हो गये। विदेश मंत्री एस जयशंकर उन्हें विदा करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे।

डीएम मयूर दीक्षित ने सुनी जनता की फरियाद, 36 समस्याओं का कराया निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित 81 शिकायतें दर्ज करायी गई। इनमें से 36 समस्याओं का डीएम ने मौके पर ही निस्तारण कराया। शेष समस्याओं को निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जनसुनवाई कार्यक्रम में राजस्व, भूमि, विवाद, विद्युत, राशन अतिक्रमण, पेयजल आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए, शिथिलता बरती जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जिन शिकायतों पर स्थलीय निरीक्षण किया जाना है संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान करना सुनाश्चित करे। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि

कोई भी शिकायतकर्ता व्यक्ति अपनी शिकायत को दुबारा जन सुनवाई में लेकर न पहुंचे,यदि कोई व्यक्ति अपनी शिकायत को लेकर दुबारा जन सुनवाई में आता है तथा शिकायत संबंधित अधिकारी द्वारा निस्तारित की जा सकती थी एवं समय पर शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया तो ऐसे अधिकारियों की विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जनसुनवाई में आयी ये प्रमुख शिकायतें

जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायतकर्ता जयपालसिंह पुत्र ईसम सिंह ने रुड़की के वार्ड नंबर 23 के ज्ञान विहार कॉलोनी एवं पंचायती बस्ती में जगह जगह कूड़े के ढेर लगे हुए है,जिस कारण क्षेत्र में बीमारी फैलने का खतरा है, कूड़ा उठवाने एव साफ सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। समस्त ग्रामवासी रावली महदूद बहादराबाद की ग्राम पंचायत रावली महदूद में डॉ भीमराव अंबेडकर भवन बना हुआ है, जो कुछ वर्ष पहले भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था,जिसके कारण भवन की भूमि पर भू माफियाओं ने कब्जा कर लिया है, जिसको कब्जा मुक्त कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। शिकायतकर्ता मदन निवासी ग्राम औरंगाबाद ने उत्तराखंड पेयजल संस्थान को काफी टाइम पहले पेयजल लाइन का नया कनेक्शन के लिए अप्लाई किया था,लेकिन अभी पेयजल लाइन का कनेक्शन नहीं हुआ है,जिस कारण उन्हें बहुत दिक्कत हो रही है तथा उन्होंने पेयजल का नया कनेक्शन शीघ्र करवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थी तिलकराम पुत्र मंगतराम ने मोहल्ला तेलियान ज्वालापुर में स्टेट बैंक के सामने वाली गली वक्फ बोर्ड की पार्किंग से होते हुए बॉबी चिकन की दुकान तक सीसी रोड बन रही है,लेकिन सड़क के दोनों नलियों पर अतिक्रमण कर कब्जा कर लिया है,सड़क और नालियों को कब्जा मुक्त कर्मराने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया।सर्वेश कुमार पुत्र सियाराम निवासी अन्नेकी कलां की कृषि भूमि जिसका खसरा नंबर 29 मौजा पुरनपुर शाल्हपुर परगना रुड़की में है,उक्त भूमि की पैमाईश पुलिस बल की मौजूदगी में करवाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया।जाहिद पुत्र साबर अली निवासी ग्राम इक्कड़ खुर्द हरिद्वार की भूमि चक्र 350 जो स्थित ग्राम भगतनपुर आबिदपुर उर्फ इक्कड़ परगना ज्वालापुर को भूमिदार सहखातेदार मालिक चला आता है,प्रार्थी की भूमि मौके पर राजस्व अभिलेखों अनुसार काफी कम है, तथा पड़ोस के लोगों द्वारा प्रार्थी की भूमि की मेड को तोड़कर अपनी भूमि में मिला लिया है, उक्त भूमि की पैमाईश कराने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा

बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज समस्याओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सीएम हेल्प लाइन में जो भी शिकायतें दर्ज की जा रही है, उनको सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ निरंकरण करना सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिए है कि 36 दिन से अधिक जो भी शिकायतें लंबित है उनका निराकरण तत्परता से करना सुनिश्चित करे। जिसमें एल 1 पर 529 शिकायतें तथा एल 2 पर 87 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है, जिन्हें शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, मुख्य चिकित्साधिकारी आर के सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, सहायक परियोजना निर्देशक नलिनीत घिल्डियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, प्रोजेक्ट मैनेजर पेयजल निगम (गंगा) मीनाक्षी मित्तल, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, नोडल स्वजल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी, परियोजना निर्देशक उरेडा वाई एस बिष्ट, सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने दिये सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सर्वाइकल कैंसर के संबंध में विस्तुत जानकारी मांगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर के सिंह ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर का संक्रमण महिलाओं में बढ़ रहा है। यह संक्रमण गर्भाशय गिरवा का कैंसर है, जिसकी रोकथाम के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वैक्सीन तैयार की गई है। इस वैक्सीन का टीका 14 वर्ष तक की लड़कियों को अनिवार्य रूप से लगाया जाना है। यह टीका नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में लगाया जायेगा। इस टीके को लगने के लिए सभी संबंधित विभागों जिसमें, बाल विकास,समाज कल्याण, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, पंचायती राज विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग के सहयोग से व्यापक

जागरूकता अभियान चलाया जाना है, जिससे महिलाओं एवं आमजन को वैक्सीन के बारे में जागरूक किया जा सके। उन्होंने बताया कि जनपद में 22471 लड़कियों को वैक्सीन लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण विभाग भारत सरकार द्वारा जल्द ही वैक्सीन लगाए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। बैठक की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्वास्थ्य विभाग एव संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए, सर्वाइकल कैंसर के बारे में सभी जनपद वासियों को जागरूक करने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने शिक्षा विभाग, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास, जिला पंचायती राज अधिकारी, समाज कल्याण, श्रम विभाग,आपदा विभाग आदि अपने अपने स्तर से बैठके एवं कार्यशाला आयोजित कर सर्वाइकल कैंसर के बारे में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में सर्वाइकल कैंसर के बारे में जिला प्रतिरक्षण ऑफिसर डॉ कोमल ने पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, पूर्व अध्यक्ष आईएमए डॉ विकास दीक्षित, अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, सहायक परियोजना निर्देशक नलिनीत घिल्डियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी सहित संबंधित विभागो के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान में ओर तेजी लाएं सभी अधिकारीः डीएम मयूर दीक्षित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तीर्थनगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाए जाने के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से चलाया जा रहे स्वच्छता अभियान की जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने समीक्षा की। जिला कार्यालय सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए उन्हें दिशा निर्देश दिये गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जनपद को साफ स्वच्छ, सुंदर बनाने के लिए दो माह से अधिक समय से जनपद में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें सभी विभागों को सफाई अभियान में ओर तेजी लाने के लिए विभागीय अधिकारियों को स्वच्छता अभियान के लिए रोस्टर निर्गत किया गया है। इसके लिए संबंधित अधिकारी जारी किए रोस्टर के अनुसार स्वच्छता अभियान में अपना पूर्ण सहयोग देते हुए अपने आस पास के लोगों को भी स्वच्छता अभियान अभियान के लिए प्रेरित करें, जिससे कि जनपद को साफ स्वच्छ जनपद बनाया जा सके।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि जनपद में संचालित हो रहे सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राइवेट अस्पतालों में सफाई अभियान चलाए जाने के लिए उन्हें निर्देशित किया जाए। जिला पर्यटन अधिकारी को भी

निर्देश दिए है कि जनपद में संचालित हो रहे होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट के माध्यम से भी स्वच्छता अभियान में भागीदारी करने को कहा गया साथ ही सभी से अपने दुकानों, प्रतिष्ठानों एवं आसपास क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाए जाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को भी निर्देश दिए ही कि सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधानों के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने सहायक परियोजना निर्देशक को भी निर्देश दिए ही कि महिला समूह के माध्यम से भी उनके संबंधित क्षेत्रों में व्यापक सफाई अभियान चलाया जाए। उन्होंने वन विभाग को निर्देश दिए है कि वन क्षेत्रांतर्गत व्यापक सफाई अभियान चलाया जाए।

जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देश दिए ही कि नगर मे व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया जाए तथा बैरागी कैंप क्षेत्रांतर्गत में आयोजित हो रहे समारोह के दृष्टिगत बैरागी कैंप से लेकर शांतिकुंज (भूपतवाला) क्षेत्र तक प्रतिदिन सफाई अभियान चलाया जाने के निर्देश दिए। इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा कचरा फेंका जाता है तो ऐसे व्यक्तियों का कम से कम पांच हजार रुपए का चालान करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा,अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर के सिंह, पूर्व अध्यक्ष आईएमए डॉ विकास दीक्षित, एसडीओ वन विभाग पूनम कैथोला, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी अविनाश भदौरिया, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, उप मुख्य अधिकारी नगर निगम दीपक गोस्वामी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व अध्यक्ष ने की अपील

जनपद में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में पूर्व अध्यक्ष आईएमए विकास दीक्षित ने जनपदवासियों से सफाई अभियान में सहयोग की अपील की है। पूर्व अध्यक्ष आईएमए विकास दीक्षित ने अपने संदेश में कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जनपद को साफ स्वच्छ बनाए जाने के लिए स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सफाई अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद में संचालित निजी चिकित्सकों, अस्पतालों, नर्सिंग होम एवं क्लीनिक सभी से इस सफाई अभियान सहयोग लिया जाएगा साथ ही सफाई अभियान में जहां कूड़े दान की आवश्यकता होगी वहां कूड़े दान की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने सभी से अपील की है कि सफाई अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर अपना पूर्ण सहयोग दें। जिससे कि हमारा जनपद हरिद्वार साफ, सुंदर, स्वच्छ जनपद बनें, जिससे कि सभी का स्वास्थ्य बेहतर रहे।

अर्ध कुंभ 2027 की तैयारियों में जुटा रेल प्रशासन, हरिद्वार स्टेशन पर डीआरएम का निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार में प्रस्तावित अर्ध कुंभ 2027 को लेकर रेलवे प्रशासन ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए मुरादाबाद मंडल की रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव सोमवार को हरिद्वार रेलवे स्टेशन पहुंचीं। उन्होंने स्टेशन परिसर से लेकर हरकी पैड़ी की ओर जाने वाले रेलवे ट्रैक और संबंधित व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आगामी बड़े धार्मिक आयोजन को देखते हुए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

डीआरएम विनीता श्रीवास्तव ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, प्लेटफॉर्म की स्थिति, साफ-सफाई व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्टेशन पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हरकी पैड़ी की ओर जाने वाले रेल मार्ग का भी जायजा लिया, ताकि भविष्य में श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुरक्षित और सुचारू बनाया जा सके।

रेल प्रबंधक ने कहा कि अर्ध कुंभ 2027 के दृष्टिगत रेलवे प्रशासन ने तैयारियों की औपचारिक शुरुआत कर दी है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को केंद्र में रखते हुए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिसमें बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना, अतिरिक्त यात्री सुविधाएं विकसित करना और सुरक्षा मानकों को और मजबूत करना शामिल है।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने, रेलवे परिसरों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अर्ध कुंभ जैसे विशाल आयोजन से पहले किसी भी तरह का जोखिम उठाने की कोई गुंजाइश नहीं है। रेलवे प्रशासन हरिद्वार रेलवे स्टेशन और उससे जुड़े मार्गों को पूरी तरह तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि अर्ध कुंभ के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके।

एक नजर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भगवानपुर में होगा तहसील दिवस

पथ प्रवाह, हरिद्वार। इस बार तहसील दिवस जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में भगवानपुर तहसील में आयोजित किया जाएगा। उप जिलाधिकारी भगवानपुर ने बताया कि दिनांक 20.01.2026 मंगलवार को प्रातः 11.00 बजे से अपरान्ह 1.00 बजे तक स्थान नवनिर्मित तहसील भवन तहसील भगवानपुर परिसर में उत्तराखण्ड शासन देहरादून द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिसमें तहसील भगवानपुर क्षेत्रांतर्गत के आमजन की शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया जायेगा, उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्धारित तिथि/समय एवं स्थान पर स्वयं प्रतिभाग करने का कष्ट करें, जिससे कि तहसील दिवस में क्षेत्रीय जनता की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जा सके।

नेहरू युवा केंद्र में होगा बास्केट बॉल प्रतियोगिता के लिए चयन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी प्रमोद चन्द्र पांडे ने बताया कि सोमवार को खेल महाकुम्भ-2025-26 के अन्तर्गत मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी बास्केटबॉल प्रतियोगिता हेतु आयु वर्ग अण्डर-14 एवं 19 बालक वर्ग की चयन प्रक्रिया की गई। चयन प्रक्रिया का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र निकट भगत सिंह चौक, रानीपुर हरिद्वार में नोडल अधिकारी, खेल महाकुम्भ-2025 मुकेश कुमार भट्ट की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक किया गया। दिनांक 20 जनवरी, 2026 को आयु वर्ग अण्डर-14 एवं 19 बालिका वर्ग की बास्केटबॉल प्रतियोगिता हेतु चयन प्रक्रिया का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र, हरिद्वार में किया जायेगा। चयन प्रक्रिया में क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी, बहादरबाद सोनू कुमार, बास्केटबॉल सचिव संजय चौहान, आलोक, मनोरम, लक्ष्य, शिवम, खेल प्रशिक्षक मुद्रसीम अली (समीर) एवं खेल संस्थाओं के प्रतिनिधि व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

देहरादून, हरिद्वार और उधमसिंहनगर में दुर्घटनाएं घटीं, मृत्यु और घायलों की संख्या बढ़ी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। राज्य के तीन प्रमुख और सर्वाधिक यातायात दबाव वाले जनपद–देहरादून, हरिद्वार और उधमसिंहनगर–में सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सामने आए ताजा आंकड़े थोड़ी राहत लेकिन बेहद चिंताजनक संकेत दे रहे हैं। परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा आईआरएडी पोर्टल से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 तक इन जनपदों में दुर्घटनाओं की संख्या में कुछ कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसके बावजूद मृतकों और घायलों की संख्या में वृद्धि ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

देहरादून में वर्ष 2024 में जहां 470 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई थीं, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 408 रह गई, जो लगभग 13.19 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। इसके बावजूद मृतकों की संख्या 185 से बढ़कर 206 हो गई, यानी 11.35 प्रतिशत की वृद्धि। घायलों की संख्या भी 406 से घटकर 380 हुई है, लेकिन मौतों में बढ़ोतरी यह संकेत देती है कि हादसों की गंभीरता बढ़ी है। तेज रफ्तार, भारी वाहनों की आवाजाही और शहरी विस्तार को इसके प्रमुख कारण माना जा रहा है।

हरिद्वार जनपद में भी इसी तरह के आंकड़े देखने को मिले है। वर्ष 2024 में 400 दुर्घटनाओं की तुलना में 2025 में यह संख्या घटकर 369 हो गई, यानी 7.75 प्रतिशत की कमी। हालांकि मृतकों की संख्या लगभग स्थिर रहते हुए 256 से 257 पहुंच गई। वहीं घायलों की संख्या 324 से बढ़कर 365 हो गई, जो 12.65 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। धार्मिक पर्यटन, भारी भीड़, राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज गति और नियमों की अनदेखी यहां हादसों की बड़ी वजह बन रही है।

उधमसिंहनगर में भी दुर्घटनाओं की संख्या में हल्की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में 384 दुर्घटनाओं की तुलना में 2025 में 372 दुर्घटनाएं हुईं, जो 3.13 प्रतिशत की गिरावट है। इसके बावजूद मृतकों की संख्या 243 से बढ़कर 264 हो गई, यानी 8.64 प्रतिशत की वृद्धि, जबकि घायलों की संख्या 299 से बढ़कर 336 पहुंच गई, जो 12.37 प्रतिशत अधिक है। औद्योगिक क्षेत्र, तेज रफ्तार भारी वाहन और हाईवे नेटवर्क पर बढ़ता दबाव इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

यातयात विशेषज्ञों का मानना है कि इन तीनों जनपदों में दुर्घटनाओं की संख्या में कमी प्रशासनिक प्रयासों का संकेत है, लेकिन हादसों की गंभीरता बढ़ना यह दर्शाता है कि सड़क सुरक्षा उपायों को और प्रभावी बनाने की जरूरत है। ब्लैक स्पॉट सुधार, गति नियंत्रण, सख्त प्रवर्तन और जनजागरूकता अभियानों के बिना सड़क हादसों पर पूरी तरह लगाम लगाना मुश्किल होगा।

दूसरी ओर, पर्वतीय जनपदों की स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, टिहरी, बागेश्वर, पौड़ी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और नैनीताल में सड़क दुर्घटनाओं और मृतकों की संख्या में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई है। चमोली में दुर्घटनाएं 125 प्रतिशत और मृतक 238 प्रतिशत तक बढ़े हैं, जबकि रुद्रप्रयाग में दुर्घटनाओं में 158 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नैनीताल में घायलों की संख्या में 175 प्रतिशत की बढ़ोतरी ने पर्वतीय सड़कों की खस्ताहाल स्थिति को उजागर कर दिया है।

पर्वतीय जनपदों में सड़क सुधार, सुरक्षा रेलिंग, चेतावनी संकेत और ड्राइवर प्रशिक्षण जैसे उपायों को प्राथमिकता देनी होगी। अन्यथा उत्तराखंड में सड़क हादसों का यह बढ़ता ग्राफ आने वाले समय में और भी भयावह रूप ले सकता है।

हरिद्वार नगर निगम ने घाटों और पुलों से हटाया गया अतिक्रमण, चेतावनी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं नगर आयुक्त नंदन कुमार के निर्देशानुसार नगर निगम क्षेत्र में व्यापक स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। शहर के प्रमुख घाटों, मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कर स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया गया। नगर निगम की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में फैले अवैध अतिक्रमणों को हटाकर प्रशासन की सख्ती का स्पष्ट संदेश दिया।

नगर निगम की टीम ने रोडीबेलवाला क्षेत्र के साथ-साथ सुभाष घाट, मालवीय घाट, नाई घाट, शिव घाट, बिरला घाट, हाथी पुल एवं तिरछा पुल पर किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाया। लंबे समय से इन क्षेत्रों में अस्थायी दुकानों, ठेलों एवं अन्य अवैध कब्जों के कारण यातायात और श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमणकारियों को हटाते हुए सार्वजनिक स्थलों को पुनः आमजन के उपयोग हेतु मुक्त कराया। अभियान के दौरान प्रतिबंधित पॉलीथिन के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई।

पॉलीथिन का विक्रय करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए लगभग 15 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। नगर निगम अधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग और बिक्री पर किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी।

नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने के पश्चात संबंधित सभी क्षेत्रों में व्यापक साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया। घाटों एवं मार्गों की सफाई कर उन्हें स्वच्छ और व्यवस्थित स्वरूप दिया गया, जिससे स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। नगर निगम की टीम ने अतिक्रमणकर्ताओं को भविष्य में पुनः अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी। साथ ही नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के अतिक्रमण विरोधी अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि हरिद्वार नगर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सके।

प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदर्शन कर फूंका पुतला

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश खुराना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और पुतला फूंका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है।

परशुराम चौक पर प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष कैश खुराना और उपाध्यक्ष सार्थक ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। अधिकारियों को सरकार का डर नहीं और अपराधियों को अधिकारियों का डर नहीं है। हरिद्वार ही नहीं पूरे प्रदेश में अपराध बढ़ रहा है। धर्मनगरी में छोटी बच्ची के साथ दुष्कर्म, अवैध नशा बढ़ रहा है तो कांग्रेस विधायक के बेटे पर हमले हो रहे हैं। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं।

विकास चंद्रा, मनोज सैनी ने कहा कि नशे का कारोबार फलफूल रहा है। जिसके कारण

अन्य अपराध भी बढ़ रहे हैं। स्मैक, गांजा और अन्य अवैध नशे का सामान धर्मनगरी में कहीं भी आसानी से मिल रहा है। पुलिस की नाक के नीचे सब हो रहा है और कोई कार्यवाही नहीं होती।

पूर्व महिला शहर अध्यक्ष अंजू द्विवेदी, पार्षद विवेक भूषण विक्की ने कहा कि महिलाओं और छोटी बच्चियां भी सुरक्षित नहीं है। यह सरकार किसी को भी सुरक्षा देने में असमर्थ है। भाजपा सिर्फ एक दूसरे से लड़वाने में विश्वास रखती है। इस अवसर पर सोम त्यागी, मृत्युंजय पांडे, आशु भारद्वाज, दिव्यांश अग्रवाल, आशु श्रीवास्तव, लक्की महाजन, दीपक कोरी, मनोज जाटव, गौरव चौहान, बन्नी ठाकुर आदि शामिल थे।

लक्सर क्षेत्र में बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

लक्सर-बालावाली मार्ग पर देर रात हबीबपुर कुड़ी गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक को किसी अज्ञात वाहन ने की टक्कर मारी। मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष थी। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना का पता सुबह उजाला होने पर उस वक्त चला जब राहगीरों ने सड़क किनारे युवक का शव पड़ा देखा। सूचना मिलने पर रायसी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से मृतक की पहचान प्रदीप पुत्र बाबूराम निवासी कलसिया के रूप में की गई। बताया जा रहा है कि प्रदीप जेके टायर फैक्ट्री में कार्यरत था और ड्यूटी समाप्त कर देर रात मोटरसाइकिल से अपने घर कलसिया लौट रहा था। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं गांव में भी शोक और सनसनी का माहौल बन गया। रायसी चौकी प्रभारी नीरज रावत ने बताया कि हबीबपुर कुड़ी गांव के पास सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

की सूचना प्राप्त हुई थी। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए राजकीय अस्पताल रुड़की भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है तथा मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार वाहन और चालक की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

भाजपा में नवीन युग आरंभः युवा संकेत, दूरगामी रणनीति

भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक इतिहास में 20 जनवरी 2026 का दिन एक निर्णायक रणनीति के रूप में दर्ज होने जा रहा है। नितिन नबीन के भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के साथ ही पार्टी की राजनीति में एक नई दिशा और नई ऊर्जा के संकेत स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का नेतृत्व सबसे कम उम्र के अध्यक्ष के हाथों में जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, नितिन नबीन के औपचारिक रूप से कमान संभालते ही संगठनात्मक ढांचे से लेकर केंद्र सरकार तक व्यापक बदलावों की आधारशिला रखी जा सकती है। भाजपा लंबे समय से संगठन और सरकार के बीच संतुलन, अनुशासन और प्रदर्शन को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती रही है। ऐसे में नया नेतृत्व पार्टी को आने वाले चुनावी चक्र, विशेषकर 2029 और उसके बाद की राजनीति के अनुरूप ढालने की तैयारी का संकेत देता है।

नितिन नबीन का अध्यक्ष बनना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि भाजपा अब नेतृत्व में पीढ़ीगत बदलाव को और अधिक स्पष्ट रूप से आगे बढ़ाना चाहती है। युवा नेतृत्व, तकनीक के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक दक्षता और जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद जैसी प्राथमिकताएं आने वाले समय में पार्टी की पहचान को और मजबूत कर सकती हैं। यह बदलाव केवल संगठन तक सीमित नहीं रहने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में भी इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मंत्रिमंडल और संगठन दोनों स्तरों पर युवा चेहरों को अधिक अवसर दिए जाने की संभावना बढ़ गई है। इससे न केवल शासन में नई सोच और ऊर्जा का समावेश होगा, बल्कि युवा मतदाताओं के साथ पार्टी का जुड़ाव भी और गहरा हो सकता है। भाजपा पहले भी समय-समय पर नेतृत्व में बदलाव कर अपनी राजनीतिक धार को तेज करती रही है।

नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना भाजपा के लिए एक रणनीतिक कदम है, जो अनुभव और युवा जोश के संतुलन को साधते हुए भविष्य की राजनीति की नींव रखने का प्रयास करता है। यह परिवर्तन इस बात का संकेत है कि भाजपा आने वाले वर्षों में भी खुद को समय के अनुरूप ढालते हुए राजनीतिक परिदृश्य में अपनी अग्रणी भूमिका बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

समुद्री जीवन के रक्षक: राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस का महत्व

सुनील कुमार महला

हर साल 20 जनवरी को राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पेंगुइन प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन विशेष रूप से अंटार्कटिका में पेंगुइनों के वार्षिक प्रवास से जुड़ा है, जब वे सर्दियों के बाद अपने प्रजनन और भोजन क्षेत्रों की ओर लौटते हैं। यद्यपि इस दिवस की कोई आधिकारिक वार्षिक थीम नहीं घोषित होती, लेकिन इसका मूल संदेश हमेशा एक ही रहता है-पेंगुइनों और उनके आवास की रक्षा करें। पेंगुइन केवल आकर्षक और प्यारे दिखने वाले जीव नहीं हैं, बल्कि छोटे कान, छोटी गर्दन और कॉम्पैक्ट शरीर वाले ये पक्षी पृथ्वी के नाजुक पर्यावरण संतुलन के महत्वपूर्ण प्रहरी माने जाते हैं। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के संकेतक जीव होने के कारण पेंगुइनों का संरक्षण समुद्री जीवन के लिए अनिवार्य है। दुनिया भर में पेंगुइन की लगभग 18 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश दक्षिणी गोलार्ध और अंटार्कटिका क्षेत्र में रहती हैं, जबकि कुछ प्रजातियाँ गैलापागोस द्वीप, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में भी देखी जाती हैं। पेंगुइन उड़ नहीं सकते, लेकिन वे उत्कृष्ट तैराक होते हैं और पानी में तेज़ी से गोता लगाकर मछलियाँ पकड़ने में सक्षम हैं। वे जीवनभर एक ही साथी के प्रति वफादार रहते हैं और सामूहिक जीवन शैली अपनाते हैं। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ के तेजी से पिघलने और समुद्र के तापमान में वृद्धि से उन्हें भोजन ढूंढने, अंडे देने और बच्चों को पालने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया भर में पेंगुइनों की संख्या अनुमानित रूप से 2 करोड़ से 5 करोड़ के बीच है, लेकिन गैलापागोस और अफ्रीकी पेंगुइन जैसी कई प्रजातियाँ संकट में हैं और उनकी संख्या घटकर केवल हजारों में रह गई है। भारत में पेंगुइन प्राकृतिक रूप से नहीं पाए जाते, क्योंकि भारतीय जलवायु उनके प्राकृतिक जीवन के अनुकूल नहीं है। हालांकि, संरक्षण और शिक्षा के उद्देश्य से मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान और ओडिशा के नंदनकानन प्राणी उद्यान में मुख्यतः हम्बोल्ट पेंगुइन रखे गए हैं। पेंगुइन का काला-सफेद 'टक्सीडो' रंग शिकारियों से बचाव के लिए प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली (काउंटर-शेडिंग) है। इनके पास सुप्राऑर्बिटल ग्रंथि होती है, जो समुद्री पानी का अतिरिक्त नमक शरीर से निकाल देती है। कुछ प्रजातियाँ साथी को आकर्षित करने के लिए चिकना पत्थर भेंट करती हैं, जबकि इनके मुँह में दाँत नहीं होते, लेकिन जीभ और ऊपरी हिस्से में पीछे की ओर मुड़े कँटीले उभार मछली पकड़ने में मदद करते हैं।

जेंटू पेंगुइन लगभग 36 किमी प्रति घंटे की गति से तैर सकते हैं, जबकि एम्परर पेंगुइन लगभग 1,850 फीट गहराई तक गोता लगाकर 20 मिनट तक साँस रोक सकते हैं। पेंगुइन साल में एक बार 'कैटास्ट्रॉफिक मोल्ट' से गुजरते हैं, जब उनके सभी पंख झड़ जाते हैं और वे कई सप्ताह तक भोजन नहीं कर पाते। अत्यधिक ठंड के बावजूद, माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी ये जीवित रहते हैं, इसके पीछे उनके घने पंख, प्राकृतिक इंसुलेशन, विशेष ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम और सामूहिक हडलिंग बिहेवियर का योगदान है। यहां यदि हम हडलिंग बिहेवियर की बात करें तो पेंगुइन का हडलिंग व्यवहार प्रकृति में टीमवर्क और उत्तरजीविता (सर्वाइवल) का एक बेजोड़ उदाहरण है। जब अंटार्कटिका में तापमान शून्य से काफी नीचे गिर जाता है और बर्फीली हवाएं चलती हैं, तो हजारों एम्परर पेंगुइन एक-दूसरे से सटकर एक विशाल घेरा बना लेते हैं। इस झुंड के केंद्र में तापमान इतना अधिक बढ़ जाता है कि बाहर की कड़ाके की ठंड के बावजूद अंदर मौजूद पेंगुइन खुद को पसीने जैसी गर्मी में महसूस करते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह समूह स्थिर नहीं रहता; पेंगुइन बहुत ही धीमी गति से एक लहर की तरह चलते रहते हैं, जिससे बाहर की कतार में खड़े पेंगुइन धीरे-धीरे अंदर की ओर आते हैं और अंदर वाले बाहर की ओर जाते हैं। यह निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि समूह के हर सदस्य को ठंड से बचने के लिए गर्मी मिल सके। इस सामाजिक तालमेल के बिना, अकेले रहने पर एक पेंगुइन अपनी ऊर्जा बहुत जल्दी खो देता और उसके जीवित रहने की संभावना न के बराबर होती।बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि अंटार्कटिका में केवल एम्परर और एडेली पेंगुइन पाए जाते हैं, जबकि चिनस्ट्रैप, जेंटू और मैकरोनी पेंगुइन अंटार्कटिक प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में प्रजनन करते हैं। किंग पेंगुइन उप-अंटार्कटिक द्वीपों में पाए जाते हैं और गैलापागोस पेंगुइन भूमध्य रेखा के पास रहने वाली एकमात्र प्रजाति है।

कलयुग के ये सबल हथियार - झूठ अफ़वाह और दुष्प्रचार

तनवीर जाफ़री

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी का राजधानी कोराकस से गत 3 जनवरी को अपहरण कर ड्रग्स तस्करी को बढ़ावा देने के नाम पर जिसतरह उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया और उसके फ़ौरन बाद जिसतरह ईरान पर अमेरिकी हमले की भूमिका तैयार करने के लिये ईरान में पिछले दिनों चले कथित सत्ता विरोधी प्रदर्शनों को प्रचारित व प्रसारित किया गया इन घटनाओं इनसे जुड़ी ज़मीनी सच्चाई ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या अब यह दुनिया पूरी तरह से झूठ,अफ़वाह व दुष्प्रचार की गिरफ़्त में आ चुकी है? क्या आज की दुनिया में झूठ, दुष्प्रचार और अफ़वाहें बहुत बड़ी ताक़त बन चुकी हैं। इतनी बड़ी ताक़त कि इनके बल पर कहीं चुनाव परिणाम भी उलट सकते हैं? अपने देश के विपक्ष या किसी देश की सत्ता को बदनाम किया जा सकता है? कहीं गृह युद्ध की आग भड़काई जा सकती है? इसी के बल पर किसी देश को परमाणु हथियार रखने वाला तो किसी को केमिकल हथियार रखने वाला देश बताकर उस देश को ही तहस नहस किया जा सकता है? किसी स्वाभिमानी देश या शासक को नीचा दिखाने के लिये उसे तानाशाह या जनविरोधी कुछ भी बताकर वहां ख़ूनी इबारत लिखी जा सकती है?

निश्चित रूप से झूठ,अफ़वाह और दुष्प्रचार सत्ता व राजनीति का हमेशा से ही प्रबल हथियार रहा है। ख़ुद जर्मन तानाशाह हिटलर इसे एक प्रभावी हथियार मानता था। हिटलर का मानना था कि हमेशा एक ही बात को दोहराओ, चाहे वो कितनी भी सरल क्यों न हो। वह कहता था कि प्रोपेगैंडा में सच्चाई को थोड़ा-सा मिलाकर झूठ को और प्रभावी बनाया जा सकता है। और उसी का मत यह भी था कि झूठ इतना बड़ा होना चाहिए कि कोई सोचे भी नहीं कि कोई इतना बड़ा झूठ बोल सकता है। ख़ुद हिटलर ने इसी नीति का इस्तेमाल यहूदियों के विरुद्ध कर दुनिया का सबसे बड़ा नरसंहार अंजाम दे डाला। इसी तरह 2002-2003 का वह दौर याद कीजिये जब अमेरिका ने तत्कालीन इराक़ी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन पर रासायनिक हथियार और अन्य सामूहिक विनाश के हथियार रखने का गंभीर आरोप लगाया था। इस आरोप को अमेरिका ने इतना प्रचारित किया था कि इसी आधार पर मार्च 2003 में अमेरिका ने इराक पर हमला तक कर दिया। सद्दाम को अपदस्थ कर उसे सामूहिक हत्या के दूसरे मामले में फांसी के फंदे पर चढ़ा दिया। बाद में रिपोर्ट आई कि इराक़ के पास कोई सक्रिय या बड़े पैमाने पर रासायनिक हथियारों का भंडार नहीं मिला। कोई रासायनिक हथियार उत्पादन, कोई वीएक्स गैस का बड़ा भंडार, कोई मोबाइल बायोलॉजिकल लैब आदि कुछ भी नहीं मिला। यहां तक कि अमेरिका ने बाद में ख़ुद यह स्वीकार भी किया कि उसकी ख़ुफ़िया जानकारी ग़लत थी। इराक़ पर हमले का आदेश देने वाले तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने भी उस समय यही कहा था कि वे भी निराश हैं। कई अमेरिकी अधिकारी और पूर्व ख़ुफ़िया प्रमुखों ने इसे ख़ुफ़िया विफलता भी कहा। परन्तु तब तक तो झूठ अफ़वाह और दुष्प्रचार का निशाना सद्दाम हुसैन बन चुके थे। उसके बाद इसी बहाने इराक़ से तेल दोहन से लेकर इराक़ को अस्थिर व तबाह करने तथा वहां अमेरिकी सैन्य बेस बनाने तक के कई खेल खेले गए।

अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलास मदुरो पर भी मुख्य रूप से नारको-टेररिज़्म,कोकीन आयात की साज़िश , मशीन गन और विनाशकारी उपकरणों का क़ब्ज़ा और उपयोग तथा मनी लॉन्ड्रिंग और हथियारों की साज़िश जैसे आरोप लगाए हैं। परन्तु उन्होंने मादुरो की गिरफ़्तारी के फ़ौरन बाद ट्रंप ने कहा - कि अमेरिका वेनेज़ुएला को संचालित करेगा , ख़ासकर इसके तेल भंडार और तेल उद्योग को। जब तक कि वहां सुरक्षित और उचित व्यवस्था नहीं हो जाती । ट्रंप ने यह भी कहा कि बड़ी अमेरिकी तेल कंपनियां अरबों डॉलर निवेश करेंगी, देश के ख़राब हो चुके तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करेंगी, और उत्पादन बढ़ाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वेनेज़ुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार (लगभग 303 अरब बैरल) हैं, और अमेरिका अब इनका नियंत्रण लेगा, तेल बेचेगा, और इससे होने वाली कमाई अमेरिका व वेनेज़ुएला के लोगों के फ़ायदे में इस्तेमाल होगी। गोया क्या सद्दाम की ही तरह निकोलास मदुरो पर लगाया गया आरोप भी झूठ अफ़वाह और दुष्प्रचार पर आधारित था। असल मक़सद वेनेज़ुएला के तेल भंडार पर नियंत्रण ही था?

इसी तरह पिछले दिनों ईरान में हुये विरोध प्रदर्शनों को भी पश्चिम मीडिया ख़ासकर इस्राईल व अमेरिका द्वारा बढ़ा चढ़ाकर प्रचारित किया जाने लगा। ईरान में 2022 में हुये महसा अमीनी आंदोलन से लेकर हाल के आर्थिक विरोध प्रदर्शनों तक को लेकर पश्चिमी मीडिया में बढ़ा-चढ़ाकर प्रचारित करने के काफ़ी सबूत और आरोप मिलते हैं, और इसमें अमेरिका व इज़राइल की भूमिका प्रमुखता से दिखाई देती है। उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों के ईरान के प्रदर्शन महंगाई और मुद्रा संकट को लेकर यानी आर्थिक कारणों से शुरू हुये थे उन्हीं प्रदर्शनों में सत्ता बदलने की मांग होने लगी। आरोप है कि अमेरिका-इज़राइल फ़ंडिंग पर चलने वाले कई पश्चिमी मीडिया ने इन प्रदर्शनों में हुई मौतों की संख्या को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया। यहाँ तक कि 2,000 से लेकर 20,000 प्रदर्शनकारियों तक की मौत होने के झूठे आंकड़े दे दिए गये । अल जज़ीरा की एक रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि इज़राइल से जुड़े नेटवर्क ने हैशटैग और नैरेटिव को कृत्रिम बढ़ावा दिया, ताकि ऐसा लगे कि विरोध बहुत बड़ा है और जनता में व्यापक सहमति है। यह astroturfing कहा जाता है। इज़राइली चैनल 12 के विश्लेषक एहुद यारी ने ख़ुद माना कि इज़राइली मीडिया ने ईरान के वर्तमान शासन के पतन की अफ़वाहें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर फैलाई, और बाद में मुआफ़ी मांगी कि प्रदर्शन कम हो गए हैं और सरकार के नियंत्रण में हैं । रूस और चीन की मीडिया ने भी इसे ईरान विरोधी प्रोपेगंडा व पश्चिमी दुष्प्रचार बताया। जबकि ठीक इसके विपरीत पूरे ईरान में लाखों लोग वर्तमान ईरानी सत्ता ख़ासकर सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली ख़ामनेई के समर्थन में व अमेरिका इस्राईल के विरोध में सड़कों पर उतरे। उसे इसी पश्चिमी मीडिया द्वारा नज़रअंदाज़ किया गया।

शक्ति, सौदे और साजिशें जब अमेरिका की नीतियाँ दुनिया को अशांत करती हैं

कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी की वैश्विक राजनीति आज ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहाँ शांति और युद्ध के बीच की रेखा लगातार धुंधली होती जा रही है। हाल की घटनाओं पर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि अंतरराष्ट्रीय अशांति किसी एक क्षेत्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक सुनियोजित वैश्विक परिघटना बन चुकी है। इस परिघटना के केंद्र में बार-बार जिस देश का नाम उभरता है, वह है अमेरिका। कभी लोकतंत्र का रक्षक बनने का दावा करने वाला यह देश आज अपनी नीतियों, धमकियों और सैन्य तैनातियों के कारण विश्व अस्थिरता का सबसे बड़ा स्रोत बनता जा रहा है।

कतर में स्थित अपने एयरबेस से अमेरिकी सैनिकों को हटने की सलाह, ईरान की ओर युद्धपोत भेजना, और दर्जनों देशों के नागरिकों पर वीज़ा रोकने की घोषणा, ये सभी कदम अमेरिका की उस मानसिकता को दर्शाते हैं जिसमें संवाद नहीं, बल्कि दबाव प्राथमिक हथियार है। कूटनीति का स्थान अब चेतावनियों ने ले लिया है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जगह एकतरफा फैसलों ने। इससे दुनिया में भय का वातावरण बनता है, जो किसी भी तरह से स्थायी शांति का आधार नहीं हो सकता। ईरान के संदर्भ में यह दावा किया गया कि अमेरिकी धमकी के बाद वहां हिंसक प्रदर्शनों में कमी आई और प्रदर्शनकारियों की हत्याएँ रुक गईं। यदि यह दावा सही भी मान लिया जाए, तो भी यह प्रश्न अनुत्तरित रह जाता है कि क्या भय के बल पर थोपी गई शांति वास्तविक शांति होती है। इतिहास साक्षी है कि दबाव में पैदा हुई चुप्पी अक्सर भविष्य के बड़े विस्फोट का कारण बनती है। मध्य-पूर्व दशकों से इसी प्रयोगशाला का उदाहरण रहा है, जहाँ बाहरी हस्तक्षेपों ने समस्याओं को सुलझाने के बजाय और जटिल बना दिया। अमेरिका की वीज़ा नीति भी इसी अस्थिरता की एक कड़ी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित 75 देशों के नागरिकों पर वीज़ा रोकने की धमकी सामूहिक दंड की मानसिकता को दर्शाती है। इसका असर केवल सरकारों पर नहीं, बल्कि आम नागरिकों, छात्रों, व्यापारियों और परिवारों पर पड़ता है। यह नीति वैश्वीकरण की उस भावना के विरुद्ध है, जिसकी वकालत अमेरिका स्वयं वर्षों से करता आया है।

इसी क्रम में ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान भी ध्यान खींचता है। 'डोम प्रोजेक्ट' के लिए ग्रीनलैंड की आवश्यकता का तर्क यह दर्शाता है कि अब संघर्ष केवल तेल या युद्धक्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्कटिक जैसे संवेदनशील और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैल चुका है। सुरक्षा के नाम पर भू-राजनीतिक विस्तार की यह होड़ आने वाले समय में नए तनावों को जन्म दे सकती है।

लैटिन अमेरिका भी इस वैश्विक उथल-पुथल से अछूता नहीं है। वेनेजुएला की विपक्षी नेता द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति को शांति पुरस्कार भेजना प्रतीकात्मक भले ही लगे, लेकिन यह उस प्रवृत्ति को दर्शाता है जिसमें आंतरिक राजनीतिक संघर्षों में बाहरी समर्थन को निर्णायक माना जाने लगा है। इससे संप्रभुता की अवधारणा कमजोर होती है और देशों के भीतर ध्रुवीकरण बढ़ता है।

दक्षिण एशिया में स्थिति और भी जटिल है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री द्वारा यह दावा कि भारत के साथ संघर्ष के बाद पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों की मांग बढ़ गई है, यह दर्शाता है कि कैसे सैन्य टकराव को विपणन अवसर में बदला जा रहा है। छ्स्न-17 जैसे फाइटर जेट्स की संभावित बिक्री को लेकर बांग्लादेश, सऊदी अरब, सूडान, लीबिया जैसे देशों के नाम सामने आना इस बात का संकेत है कि हथियारों का बाजार अस्थिरता से ही फलता-फूलता है। हालाँकि इन दावों पर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी यह तथ्य चिंताजनक है कि युद्ध या झड़पों को सैन्य क्षमता के प्रदर्शन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है, क्योंकि इससे हथियारों की दौड़ को प्रोत्साहन मिलता है। नाइजीरिया, म्यांमार और अज़रबैजान जैसे देशों के पास पहले से छ्स्न-17 का होना इस प्रसार की गंभीरता को दर्शाता है।

भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में हुए संघर्ष को लेकर दोनों पक्षों के दावे भी आधुनिक युद्ध के एक नए आयाम की ओर संकेत करते हैं। यह केवल हथियारों की टक्कर नहीं थी, बल्कि सूचना और प्रचार का भी युद्ध था। किसने कितने विमान गिराए, किसकी तकनीक बेहतर रही, इन सब पर विरोधाभासी बयान सामने आए। ऐसे समय में सत्य अक्सर शोर में दब जाता है और आम जनता भ्रमित होती है।

इस पूरे परिदृश्य में भारत का तेजस लड़ाकू विमान आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सोच का उदाहरण बनकर उभरता है। तेजस की तुलना छ्स्न-17 से करते हुए तकनीकी श्रेष्ठता की चर्चा होती है, लेकिन असली महत्व इस बात का है कि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह दृष्टिकोण केवल सैन्य शक्ति बढ़ाने का नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन और दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।

पहलगाम जैसे आतंकी हमले और उसके बाद की सैन्य कार्रवाइयाँ यह दर्शाती हैं कि आतंकवाद आज भी दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। भारत की जवाबी कार्रवाई और मजबूत वायु रक्षा प्रणाली ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क है। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सैन्य उपायों से संभव नहीं है। इसके लिए क्षेत्रीय सहयोग और राजनीतिक इच्छाशक्ति आवश्यक है। इन सभी घटनाओं के बीच अमेरिका की भूमिका बार-बार संदेह के घेरे में आती है। क्या वह वास्तव में शांति का पक्षधर है या फिर अपनी रणनीतिक और आर्थिक हितों के लिए दुनिया को अस्थिर बनाए रखना उसके लिए लाभकारी है।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने, कहा- हर बच्चा खास, प्रतिभा को पहचानना जरूरी

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को ननूरखेड़ा स्थित राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में आयोजित 'शिक्षा की बात' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद किया और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण संदेश दिए।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चा खास होता है और प्रत्येक में कोई न कोई विशेष प्रतिभा अवश्य होती है। आवश्यकता इस बात की है कि बच्चे अपनी प्रतिभा को पहचानें और शिक्षक व अभिभावक उसे आगे बढ़ाने में सहयोग करें। उन्होंने शिक्षकों और परिजनों से आग्रह किया कि बच्चों की रुचियों और क्षमताओं को समझते हुए उन्हें सही दिशा प्रदान करें। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि 'शिक्षा की बात' कार्यक्रम को और अधिक व्यापक बनाया जाए।

इसके अंतर्गत उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे व्यक्तियों से बच्चों की बातचीत कराई जाए, ताकि उन्हें करियर मार्गदर्शन और प्रेरणा मिल सके। साथ ही इस कार्यक्रम को क्लस्टर विद्यालयों से शुरू कर प्रदेश के सभी विद्यालयों तक विस्तार देने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने मोबाइल और तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर भी बच्चों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि तकनीक पर हमारा नियंत्रण होना चाहिए, न कि तकनीक हम पर हावी हो। किताबें, खेल और रचनात्मक गतिविधियां व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने विभिन्न विद्यालयों के छात्रों द्वारा तैयार किए गए साइंस प्रोजेक्ट्स का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। उन्होंने बच्चों को देहरादून भ्रमण कराने तथा कौशल विकास विभाग के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के भ्रमण की भी बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर सचिव रविनाथ रमन, निदेशक माध्यमिक शिक्षा मुकुल सती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि सहायकों के मानदेय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी से बढ़ा कर्मचारियों का मनोबल

पथ प्रवाह, देहरादून

प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के निर्देशों के बाद न्याय पंचायत स्तर पर कार्यरत कृषि सहायकों के मानदेय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। लंबे समय से मानदेय वृद्धि की मांग कर रहे कृषि सहायकों के लिए यह निर्णय बड़ी राहत लेकर आया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब कृषि सहायकों का मासिक मानदेय 8300 से बढ़ाकर 12391 कर दिया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत आधार मिलेगा।

कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह फैसला कृषि सहायकों की भूमिका और

जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कृषि सहायक प्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों तक सरकारी योजनाओं, नई तकनीकों, बीज, उर्वरक एवं फसल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां पहुंचाने का कार्य करते हैं। वे किसानों और विभाग के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए कृषि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में अहम योगदान दे रहे हैं।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ-साथ कृषि से जुड़े कार्मिकों के हितों को लेकर भी संवेदनशील है। कृषि सहायकों का मनोबल बढ़ाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि मानदेय वृद्धि से न केवल कृषि सहायकों को आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि उनके कार्य में भी और अधिक प्रतिबद्धता और उत्साह देखने को मिलेगा।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विश्वास जताया कि कृषि सहायकों के सशक्त होने से कृषि योजनाओं का लाभ किसानों तक तेजी और प्रभावी ढंग से पहुंचेगा, जिससे प्रदेश की कृषि व्यवस्था और मजबूत होगी। मानदेय बढ़ोतरी की घोषणा के बाद प्रदेशभर के कृषि सहायकों में खुशी की लहर है। उन्होंने राज्य सरकार और कृषि मंत्री गणेश जोशी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस निर्णय को उनके हित में लिया गया सराहनीय कदम बताया है।

एक नजर

युवती का सरेराह पीछा कर अश्लील हरकतें करने वाला युवक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। महिला एवं बाल अपराधों के प्रति संवेदनशील देहरादून पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सरेराह एक युवती का पीछा कर उसके साथ अश्लील हरकतें करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कोतवाली डालनवाला क्षेत्र में की है।

जानकारी के अनुसार, 18 जनवरी 2026 को पीड़िता ने कोतवाली डालनवाला में एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया। जिसमें उसने बताया कि 17 जनवरी 2026 की रात्रि ओल्ड डालनवाला रोड पर जाते समय एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसका पीछा किया गया तथा सरेराह अश्लील हरकतें की गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डालनवाला पर संबंधित धाराओं 74/75(2)/78(2)/79/296(ए) बीएनएस के अंतर्गत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। घटना को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह ने अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। आदेशों के अनुपालन में कोतवाली डालनवाला पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की गई। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त की पहचान सुनिश्चित की। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए अभियुक्त करनजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय संतोष सिंह, निवासी 203 ओल्ड डालनवाला, करनपुर, देहरादून, उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। एसएसपी अजय सिंह ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

खानपुर पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़ा तस्कर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद हरिद्वार में अवैध मादक पदार्थों के निर्माण व बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी ने इस अवैध कार्य में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

थाना खानपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम कलसिया-डुम्मनपुरी तिराहा से एक व्यक्ति को उसके कब्जे से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ दबोचा। तस्कर के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

यूसीसी के एक साल पूरे, ऑनलाइन व्यवस्था से विवाह पंजीकरण हुआ सरल और पारदर्शी

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने के साथ ही विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। आगामी 27 जनवरी को यूसीसी को लागू हुए एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकारों की सुरक्षा और नागरिक अधिकारों में समानता स्थापित करने के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण में भी यूसीसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण विवाह पंजीकरण व्यवस्था में आया परिवर्तन है। यूसीसी लागू होने के बाद एक साल से भी कम समय में 4,74,447 विवाहों का पंजीकरण किया जा चुका है। अब पति-पत्नी कहीं से भी ऑनलाइन माध्यम से विवाह पंजीकरण करा रहे हैं। पहले 'उत्तराखंड विवाहों का अनिवार्य

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2010' के तहत विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह ऑफलाइन थी, जिसमें दंपत्ति को दो गवाहों के साथ निर्धारित तिथि पर सब रजिस्ट्रार कार्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य था। समय सीमा तय न होने के कारण प्रक्रिया अक्सर लंबी और जटिल हो जाती थी। यूसीसी के तहत लगभग शत-प्रतिशत विवाह पंजीकरण ऑनलाइन हो रहे हैं। दंपत्ति और गवाह अपने दस्तावेज अपलोड कर, वीडियो बयान के माध्यम से घर बैठे आवेदन कर सकते हैं। परिणामस्वरूप अब प्रतिदिन औसतन लगभग 1400 विवाह पंजीकरण हो रहे हैं, जबकि पुराने अधिनियम में यह औसत केवल 67 प्रतिदिन था। इसके अलावा इस अवधि में 316 लोगों ने ऑनलाइन विवाह विच्छेद, 68 ने लिव-इन रिलेशनशिप में प्रवेश और 2 ने लिव-इन रिलेशनशिप समाप्त करने का प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया है। यूसीसी के तहत आवेदन के बाद विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की समय सीमा 15 दिन निर्धारित है, लेकिन औसतन पांच दिन में ही प्रमाणपत्र जारी हो रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता लागू कर देश को दिशा दिखाई है। पारदर्शी और सरल प्रक्रिया से जनता का विश्वास बढ़ा है और यूसीसी एक मॉडल कानून के रूप में उभरा है।

राजकीय मेडिकल कॉलेजों को मिले 64 नए फार्मासिस्ट, दवा व्यवस्था को मजबूती

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड के राजकीय मेडिकल कॉलेजों और उनसे संबद्ध चिकित्सालयों में शीघ्र ही 64 नए फार्मासिस्टों की तैनाती होने जा रही है। राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने फार्मासिस्ट (भेषज) के रिक्त पदों का अंतिम परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए अधिकारियों को शीघ्र तैनाती के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में दवा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से फार्मासिस्ट के रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में चिकित्सा शिक्षा विभाग

ने राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को 73 पदों का अधियाचन भेजा। चयन बोर्ड द्वारा 19 अक्टूबर 2024 को सीधी भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया, जिसके बाद अभ्यर्थियों के आवेदनों का चरणबद्ध अभिलेख सत्यापन किया गया। चिकित्सा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने जानकारी दी कि वर्षवार मेरिट के आधार पर 73 रिक्त पदों के सापेक्ष 64 योग्य अभ्यर्थियों का चयन कर अंतिम परिणाम घोषित किया गया है। वहीं, 8 पदों पर चयन परिणाम हाईकोर्ट में दायर रिट याचिका के कारण फिलहाल रोका गया है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति श्रेणी में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी अथवा उनके आश्रितों के लिए आरक्षित एक पद पर पात्र अभ्यर्थी न मिलने के कारण उसे अग्रेनित किया गया है। डॉ. रावत ने कहा कि चयनित फार्मासिस्टों की तैनाती से मेडिकल कॉलेजों में दवाओं के प्रबंधन और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। साथ ही मरीजों को समय पर और सुचारू रूप से दवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कदम प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनायेंगी।

बहुदेशीय शिविरों से जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की प्राथमिकता: रमेश

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत विकासखंड कोट की न्याय पंचायत पोखरी स्थित राजकीय इंटर कॉलेज मसाणगांव में एक बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान कुल 82 शिकायतें दर्ज की गयीं, जिनमें से 49 का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से 220 लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

शिविर में उपाध्यक्ष जलागम परिषद रमेश सिंह गड़िया ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का समाधान

न्याय पंचायत स्तर पर ही सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से अपील की कि ऐसे बहुदेशीय शिविरों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ दिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। इसमें विभागीय स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने दिये ये निर्देश

शिविर की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित प्रकरणों पर जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसमें 12 हजार से अधिक लाभार्थियों को चिन्हित किया गया है। केंद्र सरकार से स्वीकृति प्राप्त होते ही अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित शिकायतों पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र की सभी सड़कों का सर्वे कर डामरीकरण एवं सुधारीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। वहीं रखूण गांव सहित अन्य क्षेत्रों में झूलती विद्युत तारों की शिकायतों पर विद्युत विभाग को प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। घेरबाड़ से संबंधित शिकायतों पर निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जहां धरातल पर खेती-किसानी की जा रही है, ऐसे स्थलों को चिन्हित कर घेरबाड़ योजना का लाभ दिया जाए।

ग्राम प्रधान ने उठाया रजिस्ट्री का प्रकरण

ग्राम प्रधान सुधीर सिंह बिष्ट द्वारा कोटसाड़ा में ग्राम पंचायत भवन की रजिस्ट्री लंबित होने का मामला उठाए जाने पर सीडीओ ने प्राथमिकता से कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, पलोटा में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने हेतु बीडीओ को तथा झांझड में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। शिविर में ग्राम कोट की ज्योति देवी के शिशु का अन्नप्राशन, कोटसाड़ा की मनीषा देवी की गोदभराई कर पोषण आहार वितरित किया गया, जबकि फलस्वाड़ी की मीनाक्षी भट्ट को महालक्ष्मी किट प्रदान की गयी।

ये रहे मुख्य रूप से मौजूद

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कठूड़ आराधना देवी, कनिष्ठ प्रमुख अनिल गुसाईं, ग्राम प्रधान कोटसाड़ा सुधीर बिष्ट, नोडल अधिकारी/जिला ग्रामोद्योग अधिकारी डॉ. अल्का पांडे, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी, तहसीलदार दीवान सिंह राणा, खंड विकास अधिकारी शिव सिंह भंडारी, एसडीओ वन विभाग आयशा बिष्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह डुबरिया, अधिशासी अभियंता लोनिवि विवेक सेमवाल, जल निगम नवनीत कटारिया, सिंचाई सचिन शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक नजर

पीठ बाजार में ठेली लगाने को लेकर भेल कर्मियों से झगड़ने पर दो गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सेक्टर चार की पीठ बाजार में ठेली लगाने को लेकर भेल के सिक्योरिटी कर्मचारियों से झगड़ा करने के आरोप में कोतवाली रानीपुर पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक सेक्टर-4 पीठ बाजार में लडाई झगडे की सूचना मिली, जिस पर तत्काल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की। दो युवक अयान पुत्र इकबाल निवासी मौहल्ला पाँवधोई थाना ज्वालापुर हरिद्वार व सुल्तान पुत्र शकील निवासी उपरोक्त बी0एच0ई0एल0 के सिक्योरिटी गार्ड के साथ पीठ में ठेली लगाने को लेकर लडाई झगडा व आमदा फौजदारी रहे थे। पुलिस ने मौके पर दोनो व्यक्तियों को काफी समझाया गया, लेकिन दोनों व्यक्ति उत्तेजित होकर हुडदंग एवं गाली गलौच कर मारपीट एवं आमदा फौजदारी होने लगे। जिस पर पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत उक्त दोनो अयान व सुल्तान उपरोक्त को अन्तर्गत धारा 170 बी0एन0एस0एस के तहत कार्रवाई की गई।

गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था अलर्ट

पथ प्रवाह, हरिद्वार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। संभावित कार्यक्रम स्थलों, आवागमन मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस बल की तैनाती, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वीआईपी दौरे के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नजीबाबाद हाइवे पर बाइक सवार की हादसे में मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार-नजीबाबाद नेशनल हाईवे पर रसियाबढ़ चौक के पास एक वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान शादाब (27) पुत्र साजिद निवासी शाहपुर, बिजनौर यूपी के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक शादाब अपनी बाइक से नजीबाबाद की ओर से हरिद्वार की तरफ आ रहा था। रसियाबढ़ चौक के पास पहुंचते ही सामने से आ रही तेज रफ्तार मैक्स वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शादाब गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी मनोज शर्मा ने बताया कि वाहन को जब्त कर लिया गया है। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ प्रयागराज में हुए विवाद पर हरिद्वार में विरोध

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान पुलिस और जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बीच में हुआ विवाद का मामला गरमा रहा है। हरिद्वार में कनखल स्थित शंकराचार्य मठ में उनके शिष्यों और श्री अखंड परशुराम अखाड़े द्वारा श्री राम नाम का कीर्तन कर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान माघ मेले के दौरान प्रयागराज में हुई घटना पर विरोध व्यक्त करते हुए कहा गया कि यह अपमान संपूर्ण सनातन धर्म का है। योगी सरकार को और उनके अधिकारियों को खुद जाकर स्वामी जी से माफी मांगनी चाहिए। अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि जिस तरह का कृत्य उत्तर प्रदेश में प्रयागराज मेले के दौरान हमारे जगतगुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों के साथ किया गया है यह निंदनीय है जिसका हम विरोध करते हैं आज राम-राम का कीर्तन कर हमारे द्वारा अपना विरोध दर्ज कराया गया है और यदि प्रशासन स्वामी जी से जाकर माफी नहीं मांगता और उन्हें सह सम्मान के साथ स्नान नहीं कराता तो कल हमारे द्वारा खून से पत्र लिखा जाएगा और लगातार यह विरोध हमारे द्वारा किया जाता रहेगा। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य आचार्य पवन कृष्ण शास्त्री ने कहा कि प्रयागराज में होने वाला मेला साधु संतों के स्नान के लिए ही लगता है ऐसे में यदि प्रशासन कोई व्यवस्था नहीं कर पा रहा था तो यह प्रशासन की विफलता थी लेकिन जिस तरह से वीडियो सामने आ रहे हैं, वह पुलिस प्रशासन की बर्बरता बयां कर रहे हैं। कहा कि यदि वहां का प्रशासन उनसे माफी नहीं मांगता तो यह विरोध उग्र आंदोलन के रूप में का रूप लेगा।

बता दें की मौनी अमावस्या पर पालकी पर बैठकर संगम स्नान करने जा रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को रोके जाने पर हंगामा की खबर सामने आई थी। हंगामे के बीच शंकराचार्य बिना स्नान के वापस लौट गए थे। घटना से नाराज शंकराचार्य ने समर्थकों के साथ त्रिवेणी मार्ग स्थित शंकराचार्य शिविर के बाहर धरना शुरू कर दिया था।

उत्तराखंड के वीर सपूत हवलदार गजेन्द्र सिंह गढ़िया शहीद, सैन्यभूमि शोक में डूबी

पथ प्रवाह, बागेश्वर

सैन्यभूमि उत्तराखण्ड के लिए एक बार फिर शौर्य और बलिदान का गौरवशाली किंतु अत्यंत दुःखद क्षण सामने आया है। जनपद बागेश्वर निवासी भारतीय सेना के हवलदार श्री गजेन्द्र सिंह गढ़िया जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हो गए। जैसे ही यह समाचार उनके पैतृक जनपद सहित पूरे प्रदेश में पहुंचा, शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी उनकी शहादत पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। जानकारी के अनुसार, सिंहपोरा क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों द्वारा सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इसी दौरान आतंकियों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में हवलदार गजेन्द्र सिंह गढ़िया ने अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए आतंकियों का डटकर मुकाबला किया और देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दे दिया। हवलदार गजेन्द्र सिंह गढ़िया एक अनुशासित, कर्तव्यपरायण और साहसी सैनिक के रूप में जाने जाते थे। उनके बलिदान पर पूरे उत्तराखण्ड को गर्व है। शहीद के परिजनों, रिश्तेदारों और गांव में शोक का माहौल है, वहीं क्षेत्रवासियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने शहीद के बलिदान को नमन करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। ईश्वर से प्रार्थना की जा रही है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को इस असीम दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

हरिद्वार नगर निगम सर्किल रेट से वसूलेगा किराया, आय बढ़ाने की पहल

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नगर आयुक्त नंदन कुमार के निर्देश पर नगर निगम हरिद्वार की संपत्तियों के किराये का सर्किल रेट के आधार पर पुनर्निर्धारण किया गया है। यह निर्णय नगर निगम की आय बढ़ाने और शहर में सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। लंबे समय से नगर निगम की कई व्यावसायिक संपत्तियों से बाजार दर की तुलना में बेहद कम किराया वसूला जा रहा था, जिससे निगम को आर्थिक नुकसान हो रहा था। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि शासनादेश के अनुसार एक समिति का गठन प्रस्तावित है, जो नगर निगम की सभी संपत्तियों का मूल्यांकन कर समयानुसार किराया तय करेगी। इस प्रक्रिया में सर्किल रेट को आधार बनाकर निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से किराया

निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम की संपत्तियों की दरें समय-समय पर तय की जाती रही हैं, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में उनका पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो गया था। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि हरिद्वार रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सचिन इंटरनेशनल होटल से अब तक मात्र 45 हजार रुपये प्रतिवर्ष की दरों पर किराया लिया जा रहा था। जबकि सर्किल रेट के अनुसार पुनर्निर्धारण के बाद अब इसका किराया लगभग पांच से छह लाख रुपये प्रतिमाह तय किया गया है। इसी तरह अन्य होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के किराये में भी संशोधन किया जा रहा है। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कहा कि किराया बढ़ाने का उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं, बल्कि नगर निगम की आय को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार को दिव्यता और भव्यता प्रदान करने, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और स्वच्छता व विकास कार्यों को गति देने के लिए निगम की आय में वृद्धि बेहद जरूरी है।

स्व. प्रताप सिंह नेगी व शहीद विपिन गुसांई फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन आज से

विजेता टीम को मिलेगा 1 लाख 1 हजार रुपये का नकद इनाम

पथ प्रवाह, पाबौ।

क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वर्गीय प्रताप सिंह नेगी व शहीद विपिन गुसांई फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यह प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट 20 जनवरी से आरंभ किया जाएगा।

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी यह प्रतियोगिता बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है, जिसमें क्षेत्र की कई प्रतिभाशाली टीमें प्रतिभाग करेंगी। मुख्य फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1,01,000 रुपये नगद व ट्रॉफी स्वर्गीय प्रताप सिंह नेगी जी की ओर से प्रदान की जाएगी, जबकि द्वितीय पुरस्कार 51,000 रुपये नगद व ट्रॉफी शहीद विपिन गुसांई जी की ओर से दी जाएगी। इस वर्ष प्रतियोगिता की

विशेष बात यह है कि अंडर-16 ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। अंडर-16 वर्ग में प्रथम पुरस्कार 11,000 व ट्रॉफी तथा द्वितीय पुरस्कार 5,100 व ट्रॉफी रखी गई है। इसके साथ ही महिला वर्ग की रस्साकशी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रथम पुरस्कार 11,000 व ट्रॉफी और द्वितीय पुरस्कार 5,100 व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इससे महिलाओं की खेलों में भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा। खेल समिति के अध्यक्ष करमबीर सिंह भंडारी ने बताया कि यह आयोजन खिलाड़ियों में खेल भावना विकसित करने और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को मंच देने का प्रयास है। समिति के संरक्षक दुर्गेश थपलियाल सहित संदीप सिंह रावत, डॉ. लखपति डोभाल, प्रदीप नेगी, भरत सिंह रावत, विमल सिंह नेगी व संजय कुमार चमोली ने आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। स्थानीय जनता में इस प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

एक नजर

लक्सर पुलिस ने अवैध स्मैक के साथ एक पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद को नशा मुक्त बनाए जाने के लिए अवैध शराब आदि की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने जनपद पुलिस को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

निर्देशों के अनुपालन में कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी एवं बिक्री की रोकथाम हेतु नियमित रूप से पुलिस टीमें गठित कर संभावित स्थानों पर लगातार निगरानी एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 18.01.2026 को चेकिंग के दौरान लक्सर क्षेत्र से एक व्यक्ति को 6.25 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के विरुद्ध कोतवाली लक्सर पर एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। आरोपी का नाम प्रवीण पुत्र रमेश निवासी बुक्कनपुर, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार है।

अवैध कच्ची शराब के साथ 1 शराब तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली लक्सर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस को पांच लीटर अवैध कच्ची शराब मिली है। अवैध शराब के साथ पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध कोतवाली लक्सर पर मु0अ0सं0 69/26 धारा 60 आबकारी अधिनियम अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आरोपी का नाम रजनीश पुत्र सुरेश निवासी अकोड़ा कला, थाना कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार बताया गया है।

वाहन के शीशों पर लगी काली फिल्म उतरवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार के निर्देशानुसार यातायात नियमों के सख्त अनुपालन एवं सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस नियमों का पालन न करने वालों के? खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस रुड़की द्वारा नगर क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग के दौरान काली फ़िल्म लगाकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं में चालान किए गए तथा मौके पर ही काली फ़िल्म उतरवाई गई।

यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यह भी बताया गया कि काली फ़िल्म का प्रयोग न केवल अवैध है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी ख़तरनाक है। भविष्य में इस प्रकार के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। हरिद्वार पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित वाहन चलाएँ और पुलिस का सहयोग करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

हरिद्वार नगर निगम ने होटल को थमाया नोटिस, 3,750 प्रतिमाह से सीधे 6 लाख वसूली की तैयारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार नगर निगम ने अपनी संपत्तियों से सर्किल रेट के अनुसार किराया वसूलने की दिशा में सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी क्रम में नगर निगम प्रशासन ने हरिद्वार रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सचिन इंटरनेशनल होटल को बड़ा झटका देते हुए नया किराया निर्धारण नोटिस जारी किया है। वर्षों से बेहद कम किराये पर संचालित इस होटल को अब सर्किल रेट के अनुसार करीब छह लाख रुपये प्रतिमाह किराया देने का नोटिस दिया गया है।

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि सचिन इंटरनेशनल होटल नगर निगम को अब तक मात्र 45 हजार रुपये प्रतिवर्ष किराया दे रहा था, जो प्रतिमाह लगभग 3,750 रुपये बैठता है। जबकि वर्तमान सर्किल रेट के अनुसार इस संपत्ति का उचित किराया लगभग छह लाख रुपये प्रतिमाह होना चाहिए। इसी आधार पर होटल के किरायेदार को नोटिस जारी कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद नगर निगम की संपत्तियों पर वर्षों से जमे किरायेदारों को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि नगर निगम की कई दुकानों का किराया 500 से 1000 रुपये प्रतिमाह तय है, जबकि इन्हीं दुकानों को किरायेदारों द्वारा आगे सिकमी पर प्रतिदिन दो से पांच हजार रुपये तक में दिया जा रहा है। इससे नगर निगम को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कहा कि नगर निगम की आय बढ़ाना समय की मांग है। हरिद्वार जैसे तीर्थ एवं पर्यटन नगरी में विकास कार्यों, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और शहर को दिव्यता व भव्यता देने के लिए मजबूत आर्थिक संसाधन जरूरी हैं। उन्होंने संकेत दिए कि आने वाले समय में अन्य संपत्तियों के किराये की भी समीक्षा कर सर्किल रेट के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचों को किसी भी प्रकार की सहायता न दे पोलैंडः जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने पोलैंड से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने की नीति अपनाने का आग्रह करते हुए कहा है कि उसे भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचों को किसी भी प्रकार से सहायता नहीं देनी चाहिए। डा. जयशंकर ने भारत यात्रा पर आये पोलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की के साथ सोमवार को यहां वार्ता के दौरान प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि पोलैंड इस क्षेत्र के लिए कोई अजनबी नहीं हैं और वह सीमा-पार आतंकवाद की लंबे समय से चली आ रही चुनौती से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि पोलैंड को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को किसी भी प्रकार से सहायता नहीं करनी चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों की बातचीत में क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा स्वाभाविक रूप से शामिल होगी। विशेष रूप से अपने-अपने पड़ोस के संबंध में आकलनों का आदान-प्रदान उपयोगी रहेगा। उन्होंने कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष और उसके प्रभावों पर भारत के विचार पहले भी स्पष्ट रूप से साझा कर चुके हैं और उन्होंने जोर देकर कहा है कि चुनकर भारत को निशाना बनाना न केवल अनुचित बल्कि अन्यायपूर्ण भी है। विदेश मंत्री ने कहा कि वह आज एक बार फिर इस बात को दोहरा रहे हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब दुनिया में काफी उथल-पुथल है। उन्होंने कहा कि भारत और पोलैंड

अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित हैं जिनकी अपनी-अपनी चुनौतियां और अवसर हैं इसे देखते हुए विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना स्वाभाविक रूप से उपयोगी है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध भी निरंतर प्रगति कर रहे हैं लेकिन इन पर निरंतर ध्यान दिये जाने की जरूरत है। भारत और पोलैंड के बीच परंपरागत रूप से गर्मजोशीपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। हाल के वर्षों में ये संबंध उच्च-स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान तथा सशक्त आर्थिक और लोगों के बीच संपर्कों से आगे बढकर मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2024 की पोलैंड यात्रा के दौरान संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया।

डा. जयशंकर ने कहा कि दोनों देश बातचीत के दौरान 2024 से 28 तक कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे जिसके माध्यम से हम अपनी रणनीतिक साझेदारी की पूरी क्षमता को साकार करना चाहते हैं। इसके अलावा व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों तथा डिजिटल नवाचार में सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे।

विदेश मंत्री ने कहा कि पोलैंड मध्य यूरोप में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है और दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 7 अरब डॉलर है जिसमें पिछले एक दशक में लगभग 200 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पोलैंड में भारतीय निवेश तीन अरब डॉलर से अधिक हो चुका है, जिससे पोलैंड के नागरिकों के लिए रोजगार के अनेक अवसर सृजित हुए हैं। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, बड़े बाजार का आकार और निवेश-अनुकूल नीतियाँ वहां के व्यवसायों के लिए अपार अवसर प्रदान करती हैं।

अमेरिकी राजदूत गोर, सिनेटर स्टीव डेनिस के साथ मिले पीयूष गोयल से

नयी दिल्ली। भारत में अमेरिका के नये राजदूत सर्जियो गोर ने एक अमेरिकी सांसद के साथ सोमवार को यहां केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और इस दौरान उनके बीच पारस्परिक संबंधों पर उपयोगी बातचीत हुई। गोर के साथ अमेरिका की संसद के उच्च सदन सीनेट के सदस्य स्टीव डेनिस भी थे। श्री गोयल ने कहा कि इस मुलाकात में उन्होंने भारत अमेरिका संबंधों पर सार्थक चर्चा की। गोयल ने राजदूत गोर और सांसद डेनिस के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'अपने अच्छे दोस्तों, अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेनिस और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से दोबारा मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारे (बीच भारत-अमेरिका) द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्यवसायी और अपने निकट राजनीतिक सहयोगी श्री गोर को भारत के लिए राजदूत और पश्चिम एशिया का विशेष दायित्व भी दिया है। श्री गोर ने अभी हाल में राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु को अपना परिचय पत्र सौंपा। गोर शनिवार को मुंबई में रिजर्व बैंक के गवर्नर

संजय मल्होत्रा से भी मिले थे। गोयल से उनकी यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जबकि भारत और अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर सहमति न बनने के कारण पिछले साल अगस्त में भारतीय माल पर 25 प्रतिशत कर आयात शुल्क लगा दिया था। उन्होंने अमेरिका से तेल खरीदने को लेकर भारत के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के कानूनी प्रावधानों के तहत उस माह के आखिरी सप्ताह में 25 प्रतिशत का अतरिक्त शुल्क लगा दिया। गोर ने नयी दिल्ली में अपना कार्यभार संभालने के बाद कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताएं जारी हैं लेकिन उन्होंने उसका कोई और ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि उनका मिशन दुनिया के दो सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों (अमेरिका-भारत) के संबंधों को मजबूत करना है। सांसद श्री डेनिस ने रविवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी।

ब्रह्मलीन वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी महाराज को श्री तुलसी मानस मंदिर में दी गई भू समाधि

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भूपतवाला रोड स्थित तुलसी मानस मंदिर सप्त सरोवर के संस्थापक व जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी महाराज को भू समाधि दी गई। वह रविवार को ब्रह्मलीन हो गए थे। सोमवार को उन्हें सभी 13 अखाड़ों के संतों व हजारों भक्तों की उपस्थिति में मंदिर परिसर में ही उनके उत्तराधिकारी महंत कमलेश्वर पुरी महाराज की देखरेख में विधि-विधान के साथ भू-समाधि दी गई। महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी महाराज को भू समाधि देने से पहले उनकी अंतिम यात्रा पूरे हरिद्वार में निकाली गई। उनके अंतिम दर्शन करने के लिए संतों व भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। समाधि पूजन में हजारों संत व भक्त शामिल हुए। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी महाराज का ब्रह्मलीन होना धर्म व आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है। जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री हरि गिरि

महाराज ने कहा कि महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी महाराज ने रामकथा के माध्यम से विश्व भर के लोगों को जोड़ने के साथ ही हिंदू धर्म को मजबूत करने का कार्य किया। उनका ब्रह्मलीन होना धर्म, आध्यात्म, भारतीय संस्कृति, परंपरा व विरासत की ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं है। जूना अखाड़ा के वरिष्ठ अध्यक्ष महंत प्रेम गिरि महाराज ने कहा कि महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी महाराज का जीवन भक्तों ही नहीं, संतों को भी प्रेरित करता रहेगा। सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष महंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी महाराज ने हरिद्वार में तुलसी मानस मंदिर सप्त सरोवर की स्थापना की, जिसने हरिद्वार, उत्तराखंड व देश ही नहीं, पूरे विश्व को रामभक्ति के दिव्य प्रकाश से आलोकित करने का कार्य किया। उन्होंने तुलसी मानस मंदिर सप्त सरोवर को पूरे विश्व में आध्यात्मिक चेतना का प्रमुख केंद्र बनाया। उनकी स्मृति हमेशा भक्तों के दिलों में बनी रहेगी।जूना अखाड़ा के महामंत्री महंत महेश पुरी महाराज, महामंत्री श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि महाराज, उपाध्यक्ष श्रीमहंत केदार पुरी महाराज, मंत्री रामेश्वर गिरि महाराज, मंत्री मनोहर पुरी महाराज, मंत्री गिरीशानंद गिरि महाराज, मंत्री आदित्य गिरि महाराज, मंत्री महंत आकाश गिरि महाराज, मंत्री ग्वाल पुरी महाराज, हठयोगी महंत विश्वेश्वरानंद गिरि महाराज, महामंडलेश्वर हरि चेतनानंद गिरि महाराज, सतपाल ब्रह्मचारी, महंत शैलजानंद गिरि महाराज, साध्वी विष्णु प्रिया गिरि महाराज, महंत पूरण गिरि महाराज, साध्वी पूजा पुरी महाराज,भारत माता मंदिर के महंत महामंडलेश्वर ललितानंद गिरि महाराज, थानापति ज्वाला गिरि महाराज समेत हजारों संतों व भक्तों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

देसंविवि के सातवें दीक्षांत समारोह में 1379 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां, खिल उठे चेहरे

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार स्थित जीवन विद्या आलोक केन्द्र देवसंस्कृति विश्वविद्यालय का सातवां समावर्तन समारोह गंगा तट पर आध्यात्मिक संतों, देसंविवि के प्रतिकुलपति व विदेशी विशिष्ट मेहमानों के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान व देसंविवि के कुलगीत के साथ हुआ।

समावर्तन समारोह के मुख्य अतिथि जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी ने कहा कि गायत्री परिवार ने बीते दशकों में युग चेतना को जगाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के अधिकार एवं कर्तृत्व्यो के प्रति जाग्रत करने वाला एक व्यापक सांस्कृतिक अभियान है। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार ने नर-नारी समानता को व्यवहार में उतारते हुए महिलाओं को आत्मसम्मान, शिक्षा और नेतृत्व का अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, समाज में एकता-समता की भावना के विस्तार तथा मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना में भी इसकी भूमिका अत्यंत प्रभावशाली रही है। उन्होंने कहा

कि आज जब समाज अनेक प्रकार की चुनौतियों से गुजर रहा है, तब गायत्री परिवार द्वारा दिया गया यह विचार-दर्शन नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो रहा है।

इस अवसर पर समारोह के अध्यक्ष देसंविवि के प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि 'आज की शिक्षा का लक्ष्य केवल बाहर की चुनौतियों से जूझना नहीं, बल्कि भीतर की सुप्त चेतना को जगाना है। बाहर की आग को बुझाना और अंदर की आग-सेवा, सद्भाव और राष्ट्रभाव को प्रज्वलित करना ही सच्ची दीक्षा है।' उन्होंने कहा कि यह उपाधि एक परिवर्तनकारी यात्रा का आरंभ है, ऐसी यात्रा जो चेतना के मार्ग को रूपांतरण के मार्ग में परिवर्तित करती है। यदि युवा अपनी शिक्षा को सेवा, संस्कार और साधना से जोड़ दें, तो वे न केवल अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं, बल्कि राष्ट्र और मानवता के उत्थान में भी निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब चिंतन, चरित्र और व्यक्तित्व ऊपर की ओर उठना प्रारंभ करते हैं, तभी व्यक्ति अपने जीवन को सही दिशा देने में सक्षम होता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मानवीय चेतना का विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराना है। यह दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए एक नई शुरुआत, नई जिम्मेदारी और नए संकल्प का प्रतीक बनकर सामने आया, जहाँ शिक्षा को जीवन निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखने का संदेश स्पष्ट रूप से उभरकर आया।

इस दौरान हाउस आफ लार्ड लंदन के सदस्य लार्ड कृष रावल ने कहा कि देसंविवि शैक्षणिक संस्थान के साथ ही एक आध्यात्मिक सांस्कृतिक अभियान के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शानदार कार्य किया है। हाउस आफ लार्ड लंदन के सदस्य लार्ड मेंल्डसन ने कहा कि लंदन के प्रधानमंत्री श्री कीर स्टारमर ने सम्पूर्ण गायत्री परिवार अपनी शुभेच्छा भेजी है। इस अवसर पर शांतिकुंज व्यवस्थापक श्री योगेन्द्र गिरि, स्वामी राम हिमालयन विवि के विवि कुलपति डॉ विजय धस्माना, डॉ अजय तिवारी, डॉ फिरोज मिस्त्री, डॉ जहान मिस्त्री, डॉ शोभित माथुर, डॉ दिनेश शास्त्री, डॉ सतीश कुमार शर्मा, पौलैण्ड स्थित भारत के राजदूत श्री कार्तिकेय जौहरी सहित विश्व के 20 से अधिक देशों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिकुलपति ने अतिथियों को रुद्राक्ष की माला, युग साहित्य आदि भेंटकर सम्मानित किया।

विवि टॉपर-

वर्ष 2023 के श्रेया सिंह, वर्ष 2024 के शीतल कक्कड, 2025 के उपासना शर्मा, तो वहीं 2022-23 में 29 विद्यार्थियों नें गोल्ड मेडल प्राप्त किया। 2023-24 में 31 छात्र-छात्राओं ने, 2024-25 में 29 युवाओं को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। वहीं कु. किरन, सविता, रविन्द्र बालोदिया, आशीष कुमार, दिलीप सराह, प्रज्ञा श्रीवास्तव, विपिन पुनीयाल, लालिमा बाथम, शिल्पी वर्मा, विद्या सिंह, वंदना कुमारी, श्रद्धांजलि त्रिपाठी, दिवाकर शर्मा, टिकेश्वर बिसेन, महेन्द्र प्रताप सिंह राणा, रजत पाण्डेय सहित 40 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां दी है। उन्हें हिन्दी, योग विज्ञान एवं मानव चेतना, प्राच्य अध्ययन, इतिहास एवं भारतीय संस्कृति, मनोविज्ञान, भारतीय शास्त्रीय संगीत, शिक्षा शास्त्र, पत्रकारिता, कम्प्युटर विज्ञान सहित विभिन्न विषयों पर शोध पूरा होने पर डॉक्टरेट की उपाधियां दी गयीं। समारोह में कुल 1379 विद्यार्थियों को डिप्लोमा, स्नातक, परास्तानक व डॉक्टरेट की उपाधियां प्रदान की गयी।

एक नजर

अरुणाचल प्रदेश में तैनात रुद्रप्रयाग के वीर सपूत हवलदार रविन्द्र सिंह शहीद

पथ प्रवाह, रुद्रप्रयाग। अरुणाचल प्रदेश में मां भारती की सेवा करते हुए देवभूमि उत्तराखंड के वीर सपूत, जनपद रुद्रप्रयाग निवासी 15 गढ़वाल राइफल्स में तैनात हवलदार रविन्द्र सिंह के शहीद होने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। देश की रक्षा करते हुए उनका सर्वोच्च बलिदान समस्त प्रदेश के लिए गर्व और शोक का विषय है। शहादत की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

रेवंत रेड्डी ने मेडाराम में गड्डेलू का उद्घाटन किया, पूजा-अर्चना की

मुलुगु। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार सुबह मेडाराम स्थित पुनर्निर्मित गड्डेलू और मंदिर परिसर का उद्घाटन किया। इस धार्मिक स्थल का व्यापक जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद दोबारा उद्घाटन किया गया। पुनर्निर्मित सुविधाओं का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ आदिवासी देवियों सम्मक्का और सरलाम्मा की विशेष पूजा की। रेवंत रेड्डी ने अपने पोते के साथ मिलकर, लगभग 68 किलोग्राम (दोनों देवियों के संयुक्त वजन के बराबर) सोने का गुड़ (बेलम) देवताओं को अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने गड्डेलू परिसर में एक स्तंभ का अनावरण भी किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु, कई मंत्रियों, विधायकों और अन्य जन प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' बना सुशासन का सशक्त मॉडल

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर समूचे उत्तराखंड में संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम प्रदेश में त्वरित जनसेवा, पारदर्शिता और सुशासन का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इस पहल के तहत राज्य के सभी 13 जनपदों में जनसेवा शिविर आयोजित कर सरकार ने आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान सीधे उनके द्वार पर सुनिश्चित किया है।

कार्यक्रम के अंतर्गत 19 जनवरी 2026 तक प्रदेशभर में कुल 395 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 3 लाख 22 हजार 585 से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की। इन शिविरों के माध्यम से कुल 32 हजार 746 शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 22 हजार 173 मामलों का त्वरित निस्तारण किया जा चुका है। यह आंकड़े राज्य सरकार की प्रशासनिक सक्रियता और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हैं। शिविरों के दौरान विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं अन्य शासकीय सेवाओं के लिए 43 हजार

418 आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से 1 लाख 75 हजार 258 नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया। यह उपलब्धि शासन को जनता के और अधिक निकट लाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जनपदवार आंकड़ों पर नजर डालें तो देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर, अल्मोड़ा, नैनीताल और पिथौरागढ़ में उल्लेखनीय भागीदारी दर्ज की गई। देहरादून में 41,889 जबकि हरिद्वार में 64,686 नागरिकों ने शिविरों का लाभ उठाया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है। यह अभियान उत्तराखंड में सुशासन की नई कार्यसंस्कृति स्थापित कर रहा है और आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com